उत्तर प्रदेश में इको-पर्यटन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये बाँधों और जलाशयों को **पर्यटन** स्थलों के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **पहल के बारे में:**
  - इस पहल के तहत **चित्रकूट**, **महोबा**, **सोनभद्र**, **हमीरपुर**, **झाँसी**, **सिद्धार्थनगर** और **बाँदा** ज़िलों के **सात प्रमुख बाँधों और झीलों** पर बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा।
  - इन स्थानों पर **जल और साहसिक क्रीड़ा गतिविधियों** को प्रोत्साहित करने के लिये **सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग** का सहयोग सुनिश्चित किया गया है।
  - जिन जलाशयों और बाँधों को चुना गया है, उनमें शामिल हैं:
    - **गुंता बाँध** (चित्रकूट)
    - **अर्जुन डैम** (महोबा)
    - **धंधरौल डैम** (सोनभद्र)
    - **मौदहा डैम** (हमीरपुर)
    - **गढ़मऊ झील** (झाँसी)
    - **मझौली सागर** (सिद्धार्थनगर)
    - **नवाब टैंक** (बाँदा)
  - सरकार का उद्देश्य इन जलाशयों के प्राकृतिक सौंदर्य को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं जैसे **रिसॉर्ट**, **बोटिंग**, **वाटर स्पोर्ट्स**, **ट्रैकिंग** और **कैंपिंग** के माध्यम से और भी आकर्षक बनाना है।
  - इस योजना से **स्थानीय स्तर पर रोज़गार सृजन** और आर्थिक विकास को मज़बूती मिलेगी।
  - सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इन परियोजनाओं के लिये तकनीकी सहायता और आवश्यक अनुमतियाँ देगा, साथ ही बाँधों की **सुरक्षा** और **संरचना** को सुरक्षित रखने के मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा।
  - **जल क्रीड़ा** गतिविधियों के दौरान **पर्यावरण और सुरक्षा मानकों** का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

इको टूरिज्म

- **परिचय**
  - **इको टूरिज्म** पर्यटन का एक ऐसा रूप है, जो **पर्यावरण के अनुकूल**, **सतत** और प्राकृतिक क्षेत्रों पर केंद्रित होता है। इसमें **प्राकृतिक क्षेत्रों** जैसे राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, वर्षावनों आदि का इस तरह से भ्रमण किया जाता है कि वहाँ की जैवविविधता और **संस्कृति** को कोई क्षति न पहुँचे।
- **उद्देश्य**
  - इसका उद्देश्य **संरक्षण प्रयासों** का समर्थन करते हुए, स्थानीय समुदायों को **आर्थिक लाभ** पहुँचाना और आगंतुकों को **प्रकृति के प्रति जागरूक** करना है।
- **इको टूरिज्म के प्रकार:**
  - **वन्यजीव पर्यटन**: राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में जानवरों का अवलोकन।
  - **वन पर्यटन**: वर्षावनों और पर्णपाती वनों की खोज।
  - **समुद्री पर्यटन**: समुद्री जीवों का निरीक्षण।
  - **सांस्कृतिक पर्यटन**: स्वदेशी समुदायों के रीति-रिवाजों को जानना।
  - **साहसिक पर्यटन**: ट्रैकिंग, पर्वतारोहण आदि पर्यावरणीय दृष्टि से सतत गतिविधियाँ।
- **इको टूरिज्म का वैश्विक परिप्रेक्ष्य**:
  - संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने इको टूरिज्म को सतत विकास के साधन के रूप में मान्यता दी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eco-tourism-in-up